

वैलेंसशीट • डॉलर में 10% कमजोरी, सोने की कीमत में 60% उछाल और बॉन्ड की तगड़ी खरीद से 26.4% बढ़ी केंद्रीय बैंक की आय; ये पांच साल में सबसे बड़ी छलांग

आरबीआई का केंद्र को 2.87 लाख करोड़ का रिकॉर्ड डिविडेंड, बजट अनुमान से थोड़ा कम

भास्कर न्यूज़ | मुंबई

आरबीआई ने केंद्र सरकार को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 2.87 लाख करोड़ रुपए के डिविडेंड को मंजूरी दे दी। यह ट्रांसफर ऐसे समय पर आया है जब मिडिल ईस्ट संकट के कारण कच्चे तेल की कीमतें बढ़ रही हैं और भारतीय अर्थव्यवस्था पर दबाव है। हालांकि, यह राशि सरकार के बजट अनुमानों से थोड़ी कम है। केंद्र ने इस साल के बजट में रिजर्व बैंक, राष्ट्रीयकृत बैंकों और वित्तीय संस्थानों से कुल 3.16 लाख करोड़ के लाभांश की उम्मीद जताई थी। आरबीआई की कुल आय 26.42% बढ़ी और शुद्ध आय

3.95 करोड़ रही, जो पिछले साल के 3.13 लाख करोड़ से अधिक है। कोटक महिंद्रा बैंक की मुख्य अर्थशास्त्री उपासना भारद्वाज का कहना है, “आरबीआई का सरप्लस ट्रांसफर उम्मीद से कम है, जिससे राजकोषीय घाटे के जोखिम को संभालने के लिए सरकार के पास विकल्प सीमित हो जाते हैं।”

बड़ा सवाल: क्या भारतीय रिजर्व बैंक मोटा मुनाफा कमाने के लिए बना है?

नहीं। केंद्रीय बैंक का मूल काम अर्थव्यवस्था को स्थिर रखना है। महंगाई नियंत्रित करना, ब्याज दरें और विनियम दर संतुलित रखना, मुद्रा छापना, विदेशी मुद्रा भंडार प्रबंधित करना और सरकार के लिए बैंकिंग सेवाएं देना। इन कामों के दौरान जो अतिरिक्त आमदनी होती है, वह सरकार को सौंप दी जाती है।

फिर मुनाफा कैसे होता है?: आरबीआई बाजार में हस्तक्षेप करता है, रुपए की अस्थिरता रोकने के लिए डॉलर खरीदता-बेचता है। जब रुपया कमजोर होता है तब बेचे गए डॉलर पर मुनाफा होता है। बैंकों को बाजार दर पर कर्ज देने से ब्याज मिलता है। नोट छापने से भी आमदनी होती है, क्योंकि नोट की छपाई लागत उसके अंकित मूल्य से कम होती है।

इस बार रिकॉर्ड डिविडेंड के पीछे क्या कारण?

1. अमेरिकी डॉलर करीब 10% कमजोर हुआ, जिससे आरबीआई के विदेशी मुद्रा भंडार का मूल्यंकन लाभ बढ़ा।

2. सोने की कीमतें वित्त वर्ष 2026 में 60% बढ़ीं, जिससे आरबीआई के सोने के भंडार की वैल्यू काफी बढ़ी।

3. आरबीआई ने बैंकिंग प्रणाली में नकदी डालने के लिए 9 लाख करोड़ रुपए के बॉन्ड खरीदे, जिससे बैलेंस शीट लगभग 20% बढ़ी और आमदनी का पैमाना भी बढ़ा हुआ।

आरबीआई कैसे तय करता है कि सरकार को कितना डिविडेंड दे?

बिमल जालान समिति (2018-19) द्वारा तैयार इकोनॉमिक कैपिटल फ्रेमवर्क (ईसीएफ) इसका आधार है। आरबीआई को अपने वैलेंस शीट का एक तय हिस्सा कॉन्ट्रिजेंट रिस्क बफर (सीआरबी) के रूप में रखना होता है, यानी वित्तीय झटकों से बचाव के लिए सुरक्षित राशि। वित्त वर्ष 2026 में सीआरबी को 7.5% से घटाकर 6.5% किया गया। केंद्रीय बोर्ड ने वित्त वर्ष 2026 के लिए 1.09 लाख करोड़ सीआरबी में ट्रांसफर किए, जो पिछले साल के 44,861.70 करोड़ रुपए से अधिक है। इससे सरकार को मिलने वाला अंतिम सरप्लस प्रभावित हुआ।

पिछले 5 साल में आरबीआई ने कितना डिविडेंड दिया है?

वित्त वर्ष	सरकार को ट्रांसफर
2022	30,307 करोड़
2023	87,416 करोड़
2024	2,10,874 करोड़
2025	2,68,590 करोड़
2026	2,86,588 करोड़

• वित्त वर्ष 2022 में ट्रांसफर 10 साल का सबसे कम था, क्योंकि कोविड के दौरान आरबीआई ने बैंकिंग प्रणाली में बड़ी मात्रा में नकदी डाली थी, जिससे उसकी लाभप्रदता घट गई। इसके बाद से यह रकम लगातार बढ़ती जा रही है।

इस डिविडेंड से केंद्र का राजकोषीय घाटा कितना कम हो सकता है?

• अर्थशास्त्रियों का मानना है कि रिकॉर्ड लाभांश के बावजूद सरकार के लिए 4.3% राजकोषीय घाटे का लक्ष्य हासिल करना मुश्किल होगा। इत्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर के अनुसार, 2.9 लाख करोड़ के आसपास का डिविडेंड उम्मीदों के अनुरूप है। लेकिन खाद, ईंधन सब्सिडी की बढ़ती जरूरतों और कम टैक्स कलेक्शन से बजट अनुमानों पर दबाव रहेगा।

• नायर को उम्मीद है कि सरकार वित्त वर्ष 2027 के लिए तय 4.3% के राजकोषीय घाटे के लक्ष्य से 40 बेसिस पॉइंट ऊपर निकल जाएगा। यानी 4.7% रह सकता है, बशर्ते कच्चे तेल की औसत कीमत 95 डॉलर प्रति बैरल रहे।

विजनेस बीफ

सैमसंग: स्टाफ को 2.5 लाख करोड़ का बोनस

सोल | सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स अपने चिप डिवाइज के 78,000 कर्मचारियों को इस साल औसतन 3.40 लाख डॉलर 3.25 करोड़ रुपए का बोनस देगा। हालांकि, बोनस का स्तर अलग-अलग कर्मचारियों के लिए अलग-अलग हो सकता है। कंपनी ने संभावित स्ट्राइक टालने के लिए लेबर यूनियन्स से आखिरी समय में समझौता किया है। कंपनी बोनस पर कुल 26.6 अरब डॉलर (2.5 लाख करोड़ रुपए) खर्च करेगी। यह बोनस 2026 के ऑपरिंग प्रॉफिट अनुमान पर आधारित है।

रुपया 63 पैसे मजबूत, अब 1 डॉलर ₹95.73 का

मुंबई | भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के सामने लगातार दूसरे दिन शुक्रवार को 63 पैसे मजबूत हुआ। एक डॉलर की कीमत 95.73 हो गई। कच्चे तेल की कीमतों में नरमी, अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में गिरावट रुपए को सहारा मिला। माना जा रहा है कि आरबीआई के हस्तक्षेप से भी मदद मिली। दिन में रुपया डॉलर के मुकाबले 95.30 और 95.68 के दायरे में घुमा। गुरुवार को यह अपने रिकॉर्ड निचले स्तर 96.86 से 50 पैसे सुधकर 96.36 पर बंद हुआ था।

जनवरी-मार्च • कर्मचारी भर्ती करने वाले प्रतिष्ठान 13.5%, एक साल पहले 14% थे

असंगठित क्षेत्र में रिकॉर्ड 15 करोड़ रोजगार, सैलरीड जाँब 25% से नीचे

भास्कर न्यूज़ | मुंबई

रोजगार के मामले में दिलचस्प ट्रेंड सामने आया है। देश के असंगठित क्षेत्र यानी अनइनकॉर्पोरेटेड सेक्टर में जनवरी-मार्च तिमाही में रोजगार रिकॉर्ड 15.2 करोड़ तक पहुंच गया। प्रतिष्ठानों की संख्या की 16.7% बढ़कर 9.16 करोड़ हो गई। लेकिन इस बड़े विस्तार के बीच एक चिंताजनक संकेत भी है। आधिकारिक आंकड़े बताते हैं कि वेतन पर काम करने वाले यानी हायरड वर्कर्स की हिस्सेदारी घटकर 24.8% रह गई, जो एक साल पहले 26.9% थी।

हायरड वर्कर्स की संख्या में सबसे तेज गिरावट ग्रामीण इलाकों और ट्रेड सेक्टर में देखी गई। यह इस बात का संकेत है कि कि देश में रोजगार तो बढ़ रहा है, लेकिन वेतन वाले काम नहीं बढ़ रहे। स्व-रोजगार का वर्चस्व बढ़ता जा रहा है, जो लंबी अवधि की आय सुरक्षा के लिहाज से जोखिम बढ़ाने वाला ट्रेंड है। सभी सेक्टरों को मिलाकर देखें तो जनवरी-मार्च में कर्मचारियों की भर्ती करने वाले प्रतिष्ठानों (एम्प्लॉयर्स) की हिस्सेदारी 13.5% रही, जो एक साल पहले के 14% से कम है। हालांकि, यह अक्टूबर-दिसंबर 2025 के 12.7% के मुकाबले ज्यादा है।

पार्टिसिपेशन: वेतन वाली नौकरियों में महिलाओं की भागीदारी अब 29%

मुख्य आंकड़े संख्या/फीसदी घटा/बढ़ा

कुल रोजगार	15.2 करोड़	+15.5%
प्रतिष्ठान	9.16 करोड़	+16.7%
हायरड वर्कर्स	24.8%	-2.1 पीपी
महिला भागीदारी	29%	+1.0 पीपी

• देश में एम्प्लॉयर करीब 9% से बढ़कर लगभग 17% हो गए, पर वेतन पर नियुक्तियां घटी हैं।

शहर गांव: ग्रामीण इलाकों में वेतन पाने वाले कर्मी घटकर 15% से भी कम

क्षेत्र	जन.-मार्च 25	जन.-मार्च 26	कमी
ग्रामीण	17.6%	14.6%	3.0 पीपी
शहरी	34.6%	34.1%	0.5 पीपी
कुल	26.9%	24.8%	2.1 पीपी

• शहरी इलाकों में स्थिति एक साल से लगभग स्थिर

फॉर्मल एम्प्लॉयर: वेतन वाले काम देने वाले प्रतिष्ठान नहीं बढ़ पा रहे

तिमाही	हिस्सेदारी
अक्टूबर-दिसंबर-25	12.7%
जनवरी-मार्च-25	14.0%
जनवरी-मार्च-26	13.5%

पिछले साल से कम, लेकिन अक्टूबर-दिसंबर से बेहतर

सेक्टर: सर्विसेज में हायरड वर्कर्स का हिस्सा बढ़ा, मैन्युफैक्चरिंग में स्थिर, पर ट्रेड में घटा

तिमाही	मैन्युफैक्चरिंग	ट्रेड	सर्विसेज
जन.-मार्च-25	11.3%	18.3%	12.7%
अप्रैल-जून-25	10.8%	16.0%	12.7%
जुलाई-सिते.-25	11.4%	16.3%	12.7%
अक्टू.-दिस.-25	10.5%	15.4%	12.4%
जन.-मार्च-26	11.9%	14.7%	13.9%

(स्रोत: सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय)

ये चिंताजनक... ग्रामीण इलाकों में हायरड वर्कर्स शहरों से 6 गुना तेज घटे

41.4%

प्रतिष्ठानों के पास किसी भी तरह का पंजीकरण, आधे से कम नियामकों के दायरे में हैं।

- ग्रामीण इलाकों में हायरड वर्कर्स की हिस्सेदारी 3 प्रतिशत अंक घटी, ये शहरों की तुलना में 6 गुना तेज है।
- ट्रेड सेक्टर में सैलरीड वर्कर्स लगातार घट रहे, छोटे दुकानदार और व्यापारी मजदूरों पर खर्च कम रहे हैं।
- रोजगार का विस्तार हो रहा है, लेकिन स्व-रोजगार की ओर झुकाव; वेतन वाली नौकरियां सिकुड़ रही हैं।

एआई सिस्टम बनाने की दौड़ शुरू, विदेशी टेक्नोलॉजी पर निर्भरता घटाने 6 देश कर रहे बड़ा निवेश

बिजनेस संवाददाता | नई दिल्ली

एआई अब सिर्फ निजी क्षेत्र का बिजनेस नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, तरक्की का नया पैमाना है। यही वजह है कि भारत, यूएई, सऊदी अरब, चीन, सिंगापुर और फ्रांस विदेशी तकनीक पर निर्भरता खत्म करने के लिए हजारों करोड़ रुपए निवेश कर रहे हैं। ये देश सांख्यिक एआई और कम्प्यूटिंग ढांचा खड़ा कर रहे हैं। भारत 'इंडिया एआई मिशन' के जरिए क्षमता बढ़ा रहा है।

यूएई: साल 2027 तक एआई नेटिव सरकार बनने का लक्ष्य

अबू धाबी ने 1.24 लाख करोड़ रुपए की रणनीति घोषित की है। लक्ष्य 2027 तक दुनिया की पहली एआई-नेटिव सरकार बनाने का है।

सऊदी अरब: विजन 2030 के तहत एआई पर बढ़ावा फोकस

पब्लिक इन्वेस्टमेंट फंड समर्थित ह्यूमैन कंपनी क्षेत्रीय बाजारों के लिए अरबी एआई मॉडल और क्लाउड सिस्टम तैयार कर रही है।

चीन: 13,400 करोड़ रुपए का विशाल सरकारी फंड बनाया

चीन तकनीकी आत्मनिर्भरता के लिए बुनियादी ढांचे का विस्तार कर रहा है। 'जीपू एआई' को 13400 करोड़ रुपए का फंड मिला है।

सिंगापुर: एआई प्रोडक्ट्स के लिए 'न्यूट्रिन लेबल'

सिंगापुर एआई उत्पादों के लिए 'न्यूट्रिन लेबल' जैसा सिस्टम ला रहा है, जिससे उनकी खूबी और कमियां पता चल सकें।

फ्रांस: अमेरिकी-चीनी निर्भरता घटाने का लक्ष्य

फ्रांस ने यूरोप को अमेरिकी-चीनी एआई पर निर्भरता से बचने की चेतावनी दी है। एआई एक्ट के जरिए स्टार्टअप्स, रिसर्च को बढ़ावा दे रहा है।

कार्यालय नगर पंचायत दाढ़ी, जिला- बेमेतरा (छ.ग.)

क्रमांक/835/लो.नि.वि./न.पं./2026-27 दाढ़ी, दिनांक 21/05/2026

// ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना //

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से नीचे उल्लेखित कार्य हेतु ऑनलाइन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	सिस्टम निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)	ऑनलाइन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि
1	191409	वार्ड क्र. 07 में नगर पंचायत कार्यालय भवन निर्माण।	125.39	12.06.2026

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज एवं अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट <http://cgproc.cgstate.gov.in> व नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की वेबसाइट www.uad.cg.gov.in पर देखा जा सकता है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पंचायत दाढ़ी

नवोदय विद्यालय समिति
शिक्षा मंत्रालय का एक स्वायत्त संस्थान, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, भारत सरकार क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल (मध्य प्रदेश)
एम.आई.सी. 172/2ए, सकेत नगर भोपाल (मध्य) 462024

अनुबंध आधार पर परामर्शदाताओं की सूची 2026-27 के लिए नियुक्ति

नवोदय विद्यालय समिति के अनुरोधित संस्थान नवोदय आरबीआई सह-शिक्षा विद्यालयों में अनुबंध के आधार पर परामर्शदाताओं की सेवाएं प्राप्त करने हेतु शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के लिए क्षेत्रीय उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। निम्नलिखित जानकारी के लिए कृपया नवोदय विद्यालय समिति, क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल की वेबसाइट पर जाएं। <https://navodaya.gov.in/news/Bohopal/en/home/index.html> का अवलोकन करें। ऑनलाइन आवेदन निम्न लिंक के माध्यम से किए जा सकते हैं <https://www.crschoos.in>।

मानदंड: मासिक समीक्षा प्रति शैक्षणिक वर्ष 44,900/-

अनिवार्य योग्यता

(अ) शैक्षणिक योग्यता - 1) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से मंत्रोद्घाटन में मास्टर डिग्री (एम.एड./एम.एड.सी.) 2) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से मार्गदर्शन और पाठ्यक्रम में एक वर्षीय डिप्लोमा

(ब) अनुभव - केन्द्र / राज्य या केन्द्र शासित प्रदेश सरकार / केन्द्र या राज्य सरकार के स्वायत्त निकायों / सर्वोच्च शिक्षा क्षेत्र के उच्चतम शैक्षणिक संस्थानों में मार्गदर्शन और पाठ्यक्रम में कम से कम एक वर्ष का अनुभव। आयु - 1 जून 2026 तक 28 वर्ष से कम और 50 वर्ष से अधिक नहीं।

आवेदन शुल्क: हर आवेष्टी योग्य आवेदन शुल्क ₹500/- प्रति उम्मीदवार शुल्क दिया जाएगा। एस.सी./एस.टी. और दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए आवेदन शुल्क की छूट दी गई है।

ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि - योग्य उम्मीदवार 25 मई 2026 से 03 जून 2026 तक ऑनलाइन लिंक <https://www.crschoos.in> अथवा नवोदय विद्यालय समिति, क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल की वेबसाइट <https://navodaya.gov.in/news/Bohopal/en/home/index.html> के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के समय अपेक्षित निम्नलिखित के अनुरूप, चरित्तर पत्र यात्रा है कि किसी उम्मीदवार द्वारा एक से अधिक क्षेत्रीय कार्यलयों में आवेदन किया है तो उसकी यात्रा / नियुक्ति को तत्काल प्रभाव से समाप्त किया जा सकता है।

नोट: केवल शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों को ही सहायक के लिए बुलाया जाएगा।

सही/उपयुक्त नवोदय विद्यालय समिति, क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल

बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda

क्षेत्रीय कार्यालय- बिलासपुर, पहली मंजिल, टी.आर कॉम्प्लेक्स, एसबीआई के सामने, राजकिशोर नगर, लिंगियाडीह, बिलासपुर-495006 (छ.ग.), 07752-310229 / 310231
ई-मेल: recovery.bilaspur@bankofbaroda.com

बिक्री सूचना संपत्तियों की ई-नीलामी- "परिशिष्ट- IV - ए (नियम 8(6) और 9(1) देखें)"

वित्तीय आसक्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्राप्ति भूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 सहप्रति प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8(6) एवं 9(1) के अंतर्गत चल / अचल संपत्तियों की ई-नीलामी रली गई है। इस सूचना के द्वारा आम जनता और विशेषकर ऋणी, बंधककर्ता(ओं) एवं जमानतकर्ता(ओं) को सूचित किया जाता है कि निम्नवर्णित दृष्टिकोण / गिरवी / बंधक चल / अचल संपत्तियों जो कि प्रतिभूति लेनदार के पक्ष में, जिनका सांकेतिक / भौतिक कब्जा प्रतिभूत लेनदार बैंक ऑफ़ बड़ौदा के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया जा चुका है कि बिक्री निम्नवर्णित खातों में वसूली के लिए ई-नीलामी द्वारा " जो हैं जहां " , " जो हैं जेसी " एवं " जो कुछ भी " के आधार पर रली गई हैं। कर्जदारों/जमानतदारों/ शिखोर्ड एस्टेट्स/ बकाया /आरक्षित मूल्य/ई-नीलामी की तारीख, समय, ईमेल और बोली बुद्धि राशि का विवरण नीचे दिया गया है:-

क्र.	ऋणकर्ता/जमानतदार (ओं)	चल/अचल संपत्ति का संक्षिप्त विवरण के साथ बैंक की जानकारी में कोई अधिभार नहीं है।	कुल बकाया राशि	1.प्राशस्त मूल्य 2.बचाना एवं 3.बोली राशि	कच्चे का स्वरूप सांकेतिक/ भौतिक
01	श्री रामरत्नेही विश्वकर्मा पिता श्री देवकी विश्वकर्मा, श्री संतोष विश्वकर्मा पिता श्री रामरत्नेही विश्वकर्मा एवं श्री कृष्ण विश्वकर्मा पिता श्री रामरत्नेही विश्वकर्मा, निवासी- कंपनी बाजार अम्बिकापुर, धाना अम्बिकापुर, छत्तीसगढ़ - 497001.	प्लॉट पर आवासीय मकान से संबंधित खसत नं.- 1321/26, क्षेत्रफल - 0.01 3/4 (13*58') एकड़ स्थित कम्पनी बाजार, अम्बिकापुर, नजूल शीट नं. - 03, आरएनएम अम्बिकापुर, तहसील- अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.). संपत्ति की सीमाएं: उत्तर- नजूल प्लॉट और श्रीमती श्यामा याई का मकान, पश्चिम- श्री ईश्वर मिस्त्री का मकान, पूर्व- श्री रामदास विश्वकर्मा का मकान, दक्षिण- सी.सी. रोड.	₹. 7,39,282.90	₹. 14,50,000.00 ₹. 1,45,000.00 ₹. 10,000.00	भौतिक कब्जा

ई-नीलामी की तिथि एवं समय 22.06.2026, दोपहर 2:00 बजे से सायं 6:00 बजे तक एवं संपत्ति निरीक्षण करने की तिथि एवं समय 19.06.2026 दोपहर 1:00 बजे से अपराह्न 4:00 बजे तक। बिक्री संबंधित विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिए, कृपया ऑनलाइन ई-नीलामी पोर्टल <https://baanknet.com> में दिये गये लिंक का संदर्भ लें, भावी बोलीकर्ता प्राधिकृत अधिकारी से फोन 9025104044 पर भी संपर्क कर सकते हैं।

दिनांक : 23.05.2026, स्थान: बिलासपुर (छ.ग.)

प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ़ बड़ौदा

बैंक शेयरों में खरीदारी से 232 अंक चढ़ा सेंसेक्स

शेयर मार्केट • एक समय 628 अंक उछला, पर महंगे कूड से बढ़त सीमित

बिजनेस संवाददाता | मुंबई

शेयर बाजार में शुक्रवार को रिकवरी देखी गई। सेंसेक्स 232 अंक चढ़कर

75,415 पर और निफ्टी 65 अंक की तेजी के साथ 23,719 पर बंद हुआ। इस बढ़त में आईसीआईसीआई, एचडीएफसी और एक्सिस जैसे बड़े प्राइवेट बैंकों के शेयरों में उछाल का विशेष योगदान रहा। अमेरिका-ईरान शांति वार्ता में प्रगति के बीच एक समय सेंसेक्स 628 अंक तक

उछलकर 75,811 तक पहुंच गया था। लेकिन ब्रेट कूड के दाम 3.7% बढ़कर 106.36 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचने से बढ़त सीमित हो गई। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स के रिसर्च हेड विनोद नायर के अनुसार, वैश्विक स्तर पर एआई निवेश का विषय मुख्य ड्राइवर बना हुआ है।

MMI

Every second is critical, call

1800 309 0309

WITH YOU **NEAR** YOU

24x7 Comprehensive Emergency Care: Heart Attack | Stroke | Trauma | Critical Care

MMI Narayana Hospital, Lalpur, Raipur | Take Care www.narayanahealth.org